Dainik Jagran, New Delhi
Thursday, 29th December 2022; Page: 10
Width: 42.59 cms; Height: 28.96 cms; a3r; ID: 21.2022-12-29.88

आस्ट्रेलिया के साथ एफटीए पर आज से अमल शुरू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भारत और आस्ट्रेलिया के बीच इस साल अप्रैल में किए गए इकोनामिक कोआपरेशन एंड ट्रेड एग्रीमेंट (एकता) पर 29 दिसंबर से अमल शुरू होने जा रहा है। दोनों ही देश इसकी अधिसूचना जारी कर चुके हैं। इस अमल से अब आस्ट्रेलिया जाने वाले 90 प्रतिशत आइटम पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। गारमेंट, लेदर उत्पाद, जेम्स और ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स जैसे रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात को काफी लाभ मिलने वाला है, क्योंकि अब ये उत्पाद आस्ट्रेलिया के बाजार में पांच प्रतिशत तक सस्ते हो जाएंगे। अभी इन पर पांच प्रतिशत शुल्क लगता है। दूसरी तरफ, भारत में आस्ट्रेलिया से आने वाला कोयला, बाक्साइट, तांबा, मैगनीज जैसे कई आइटम पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। आस्ट्रेलिया से आने वाले भेड़ के मांस और झींगा मछली जैसे आइटम को भी शुल्क मुक्त कर दिया गया है। व्यापार समझौते पर अमल से दोनों देशों के बीच होने वाला कारोबार 45-50 अरब डालर तक पहुंचने की उम्मीद है जो वर्तमान के मुकाबले दोगुना है।

जेम्स और ज्वेलरी के निर्यात को होगा लाभ : जेम्स और ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के नार्दर्न चेयरमैन अशोक सेठ ने बताया कि इस सेक्टर का निर्यात आस्ट्रेलिया में बढ़ेगा। कनफेडरेशन आफ इंडियन अल्कोहल बेवरेज कंपनीज के महानिदेशक विनोद गिरी ने बताया नए साल की छुट्टी के बाद ही आस्ट्रेलिया से महंगी वाइन के भारत में आने की संभावना है।

- **रोजगारपरक सेक्टर को होगा लाभ, पांच साल में 50 अरब डालर के कारोबार का अनुमान**
- **गारमेंट, लेदर उत्पाद, जेम्स व ज्वेलरी जैसे आइटम अब बिना शुल्क जा सकेंगे आस्ट्रेलिया**

सीधे शिपमेंट की सुविधा मांग रहे हैं निर्यातक

आरके जालान

निर्यातक आस्ट्रेलिया के लिए डायरेक्ट शिपमेंट सुविधा की मांग कर रहे हैं, ताकि कम समय में वहां माल पहुंचाया जा सके। काउंसिल आफ लेदर एक्सपोर्ट (सीएलई) के वाइस प्रेसिडेंट आरके जालान ने बताया कि मेलबर्न और कई अन्य जगहों से लेदर उत्पाद निर्यातकों के पास पूछताछ शुरू हो गई है और आर्डर भी आने लगे हैं। हालांकि डायरेक्ट शिपमेंट सुविधा नहीं होने से अभी आस्ट्रेलिया माल पहुंचने में 38-40 दिन का समय लग जाता है जबकि चीन से 15 दिनों में आस्ट्रेलिया माल पहुंच जाता है।

समझौते से होने वाले फायदे

- लेदर उत्पाद, गारमेंट, इंजीनियरिंग गुड्स, जेम्स व ज्वेलरी, स्पोर्ट्स गुड्स, फुटवियर, मशीनरी, रेलवे वैगन, फर्नीचर व समुद्री उत्पाद जैसे आइटम के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा।
- फार्मा के निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि आस्ट्रेलिया में दवा काफी महंगी है।
- आस्ट्रेलिया में पढ़ने वाले छात्रों को आसानी से वर्क वीजा मिल सकेगा।
- सूचना-प्रौद्योगिकी सेक्टर के लिए भी आस्ट्रेलिया का दरवाजा खुल जाएगा और अमेरिका की तरह वहां भी बड़ी संख्या में साफ्टवेयर डेवलपर्स जा सकेंगे।